दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

SJU Govt. Registered Social Justice Union

आवश्यक सूचना
आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, सोमवार 17 जुलाई 2023 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-05, अंक- 289

हरेली तिहार है हरियाली का और हरियाली ही तो श्रृंगार है हमारी छत्तीसगढ़ महतारी का

हरेली के मौके पर हर घर कम से कम एक पौधा लगाने मुख्यमंत्री की अपील

- प्रदेश के हर गांव में पौधरोपण के इच्छुक लोगों को वन विभाग से दिये जाएंगे पौधे
- प्रदेश को हरा-भरा बनाने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ग्रामीणों को पौधे उपलब्ध कराने दिये निर्देश
- इच्छुक लोगों को नि:शुल्क उपलब्ध कराए जाएंगे पौधे
- पौधरोपण करें और हैशटैग हरियर _हरेली के साथ करें सोशल मीडिया में अपलोड

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने हरेली तिहार के मौके पर प्रदेशवासियों से कम से कम एक पौधा लगाने की अपील की है। साथ ही पौधरोपण को लेकर जागरूकता बढ़ाने प्रदेश के नागरिकों से पौधरोपण करते हुए अपनी फोटो सोशल मीडिया में अपलोड करने का आग्रह भी किया है। मुख्यमंत्री ने अपने अपील में कहा है कि न केवल लोग हरीतिमा बढ़ाने अपने घरों में पौधे लगाएं अपितु लोगों को भी इसके लिए चैलेंज दें और उन्हें भी कहें कि पौधरोपण करते हुए अपनी फोटो सोशल मीडिया में अपलोड करें। इसके लिए प्रदेश में हरीतिमा का दायरा बढ़ाने प्रदेश के सभी गांवों में वन विभाग द्वारा ग्रामीणों को अपने घरों में रोपने पौधे नि:शुल्क उपलब्ध कराए जाएंगे। विभाग के अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने दिये हैं। पीसीसीएफ व्ही. श्रीनिवास राव ने बताया कि मुख्यमंत्री महोदय की मंशा है कि प्रदेश में हरीतिमा का दायरा बढ़े। पर्यावरण को सहेजने के लिए ग्रामीणों की सहभागिता भी लें। जो लोग पर्यावरण को सहेजने अपने घर में पौधा लगाना चाहते हैं। उन्हें वन विभाग की ओर से पौधा उपलब्ध कराने के निर्देश मुख्यमंत्री ने दिये हैं इसके अनुरूप ग्रामीण क्षेत्र में सभी इच्छुक ग्रामीणों को पौधे नि:शुल्क उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने बताया कि हरेली प्रदेश का प्रमुख त्योहार है। सभी लोग इसे उत्साह से मनाएंगे और पौधरोपण भी करेंगे। ऐसे में यदि पौधारोपण करने वाले लोग पौधा लगाते हुए अपनी फोटो भी सोशल मीडिया पर अपलोड करेंगे तो पौधरोपण के लिए सुंदर माहौल छत्तीसगढ़ में तैयार होगा।

उल्लेखनीय है कि हरेली का मौका छत्तीसगढ़ में खास उत्सव का मौका होता है जब बारिश की वजह से चारों ओर हरीतिमा नजर आती है। इस मौके पर पौधरोपण किये जाने से इसके पनपने की संभावना भी अधिक होती है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर वन विभाग द्वारा कार्रवाई तेजी से की जा रही है। सभी वनमंडलों में बीटगार्ड्स को पौधे उपलब्ध कराए गये हैं ताकि इन्हें गांव-गांव में पौधरोपण के इच्छुक ग्रामीणों को नि:शुल्क उपलब्ध कराया जा सके।

हैशटैग प्त हरियर _हरेली के साथ करें साझा - मुख्यमंत्री ने इस मौके पर सभी प्रदेशवासियों से हरेली त्योहार पर पौधा लगाने की अपील की है। उन्होंने पौधे के साथ अपनी तस्वीर सोशल मीडिया के माध्यम से हैशटैग प्त हरियर _हरेली के साथ लिखकर साझा करने की अपील की है। सोशल मीडिया में पौधरोपण करने वाली तस्वीर के साथ यह संदेश भी जरूर लिखें। ''हरेली तिहार है हरियाली का और हरियाली ही तो श्रृंगार है हमारी छत्तीसगढ़ महतारी का।'' हरे भरे पेड़ सिर्फ आँखों को सुखद लगने वाली हरियाली भर नहीं है वे धरती के जेवर हैं। धरती को सजाने की जिम्मेदारी हम सबकी है। आभूषणों से सजी धरती मां से मिला आशीष हम सबके जीवन को समृद्ध करेगा।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को हरेली तिहार की दी बधाई और शुभकामनाएं- मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रदेशवासियों को हरेली तिहार की बधाई और शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा है कि हरेली तिहार सभी के लिए खुशियां और समृद्धि लेकर आए। अपने शुभकामना संदेश में बघेल ने कहा है कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति यहां के उत्सवों में प्रमुखता से दिखाई देती है। छत्तीसगढ़ का लोक तिहार हरेली छत्तीसगढ़ के जन-जीवन में रचा-बसा खेती-किसानी से जुड़ा पहला त्यौहार है। इसमें अच्छी फसल की कामना के साथ खेती-किसानी से जुड़े औजारों की पूजा की जाती है। इस दिन धरती माता की पूजा कर हम भरण पोषण के लिए उनका आभार व्यक्त करते हैं। बघेल ने कहा कि हरेली तिहार को गांवों में बड़े उत्साह और उमंग से मनाया जाता है।

महत्वपूर्ण एवं खास

कावेरी नदी के बैकवाटर में तीन युवक डूबे, एक शव बरामद

बेंगलुरु (आरएनएस)। कर्नाटक के मैसूर जिले के मीनाक्षीपुरा में कावेरी नदी के बैकवॉटर में तैरते समय तीन युवक डूब गए। पुलिस ने रविवार को जानकारी देते हुए कहा कि बचाव दल ने एक युवक का शव बाहर निकाल लिया है और बाकी दो की तलाश जारी है। पुलिस ने बताया कि शनिवार को पांच छात्र बैकवाटर में तैरने गए थे, लेकिन तेज पानी के बहाव के कारण 20 वर्षीय भरत प्रवीण और वरुण डूब गए, जबकि दो छात्र सुरक्षित तैरने में कामयाब रहे। डूबे तीन छात्रों में से भरत का शव निकाल लिया गया है। बाकी की तलाश के लिए अभियान जारी है।

जम्मू-कश्मीर के गांदरबल में सड़क दुर्घटना में सीआरपीएफ के 9 जवान घायल

श्रीनगर (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में रविवार को एक सडक़ दुर्घटना में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के नौ जवान घायल हो गए। पुलिस सूत्रों ने बताया कि सोनमर्ग के नीलग्राद इलाके में सीआरपीएफ का वाहन सिंध नदी में गिर गया। इस दुर्घटना में जवान घायल हो गए। यह दुर्घटना नीलग्राद क्षेत्र में हेलीपैड के पास हुई। वाहन में सवार सभी लोगों को चोटें आईं। सूत्रों ने कहा, उन्हें इलाज के लिए बालटाल बेस कैंप के अस्पताल में शिफ्ट कर दिया गया है। सीआरपीएफ के जवानों को अमरनाथ यात्रा ड्यूटी पर तैनात किया गया था।

13 दिन के बच्चे पर बंदर ने किया हमला, माथे पर आई चोट; अस्पताल में भर्ती

चित्रदुर्ग (आरएनएस)। कर्नाटक के चित्रदुर्ग जिले में रविवार को एक चौंकाने वाली घटना सामने आई। एक बंदर ने घर में घुसकर 13 दिन के बच्चे को अपना निशाना बनाया। बच्चे को अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। जानकारी अनुसार यह घटना चल्लाकेरे तालुक के टोरेकोलाममनहल्ली गांव में हुई है। मंजुला और सिद्देश के 13 दिन के बच्चे पर बंदर ने हमला बोल दिया, जिससे बच्चे के माथे पर चोट आई है। मौके पर पहुंची मां ने बंदर को वहां से खदेड़ा, और बच्चे को तुरंत चित्रदुर्ग के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। ग्रामीणों का कहना है कि एक सप्ताह पहले गांव में बंदर आया था। इस बारे में अधिकारियों से शिकायत की गई थी कि उसे जल्द से जल्द पकड़ा जाना चहिए।

तालाब में डूबकर दो मासूम समेत तीन की मौत

फतेहपुर (आरएनएस)। जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों के अंतर्गत दो मासूम समेत तीन की तालाब में डूबकर मौत हो गई। पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। जानकारी के अनुसार सुल्तानपुर घोष थाना क्षेत्र के मथुरा काशीदासपुर मजरे बहेरा सादात गांव निवासी राजेंद्र कुमार का ढाई वर्षीय पुत्र नैतिक कुमार शनिवार की शाम गांव के बच्चों के साथ तालाब के समीप खेलने गया था। खेलते-खेलते खेलते नैतिक तालाब में डूब गया। काफी खोजबीन के बाद तालाब में उसका शव तैरता हुआ दिखा तो रात एक बजे शव तालाब से बाहर निकाला गया तो परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल रहा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। इसी तरह जाफरगंज थाना क्षेत्र के देवरी बुजुर्ग गांव निवासी गोविंद साहू का तीन वर्षीय पुत्र आर्यन खेलते-खेलते तालाब किनारे पहुंच गया और तालाब में डूब गया। काफी समय बीतने के बाद बच्चा जब घर नहीं पहुंचा तो परिजन खोज में निकले तो देखा उसका शव तालाब के पानी में तैर रहा था। शव को तालाब से बाहर निकाला तो परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मलवां थाना क्षेत्र के अमौरा गांव निवासी स्व. पित्तन का 78 वर्षीय पुत्र राम खेलावन तालाब किनारे लगे आम के पेड़ से आम बीनने गया था। तभी वह तालाब में गिर गया जिससे उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना परिजनों ने स्थानीय पुलिस को दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

समुद्र में चट्टान पर बैठकर फोटो क्लिक करवा रहा कपल तेज लहरों में बहा, महिला की मौत

मुंबई (आरएनएस)। मुंबई के बांद्रा बैंडस्टैंड से दिल को झकझोर कर देने वाला मामला सामने आया है, जहा समुंद्र में चट्टान पर बैठकर फोटो क्लिक करवा रहा एक कपल समुंद्र की तेज लहरों में बह गया। हादसे में महिला की मौत हो गई है। दरअसल, हादसे वाले दिन परिवार जुहू चौपाटी पर पिकनिक मनाने निकला था, लेकिन हाई टाइड के चलते उन्हें जुहू बीच पर एंट्री नहीं मिली। इसके बाद परिवार बांद्रा बैंडस्टैंड पहुंचा। बांद्रा फोर्ट पहुंचकर परिवार समुद्र के पास खड़े होकर तस्वीरें लेने लगा। इसके बाद मुकेश (35) और ज्योति (32) समुद्र में कुछ दूर जाकर चट्टान पर बैठ गए और फोटो-वीडियो क्लिक करवाने लगे। परिवार के लोग दूर से वीडियो क्लिक करते हुए उन्हें किनारे पर आने को बोलते रहे, लेकिन कपल वहीं बैठा रहा। इतने में ही एक बेहद ऊंची लहर दोनों को अपने साथ बहाकर ले गई। मुकेश ने ज्योति की साड़ी पकडक़र

उसे खींचने की कोशिश की, लेकिन पानी का बहाव इतना जोरदार था कि ज्योति दूर बह गई। वहां मौजूद अन्य लोगों ने फुर्ती दिखाते हुए मुकेश के पैर पकडक़र उसे पानी से बाहर खींचा।

मार्वे बीच पर 5 लडक़े भी पानी में डूबे- इसी के साथ रविवार यानि आज मार्वे बीच पर नहाने गए 5 लडक़े पानी में डूब गए। ये सभी लडक़े 12 से 16 साल के थे। इनमें से दो को रेस्क्यू कर लिया गया है। तीन की तलाश फिलहाल अभी जारी है।

चलती फ्लाइट में पैसेंजर ने एयर इंडिया के सीनियर अफसर पर किया हमला

नई दिल्ली । आरएनएस

सिडनी से दिल्ली आ रही एयर इंडिया की फ्लाइट में एक बार फिर यात्री ने बड़ा बवाल किया है। हाल में सिडनी से दिल्ली आ रही फ्लाइट में पैसेंजर ने एयर इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी के साथ कथित तौर पर गाली-गलौज की और उन पर हमला कर दिया। एक सूत्र ने यह जानकारी दी। सूत्र ने बताया कि यह घटना तब हुई जब सीट की खराबी के कारण बिजनेस क्लास से इकोनॉमी क्लास में डाउनग्रेड किए गए एयर इंडिया के अधिकारी ने अपने सह-यात्री को उसकी ऊंची आवाज के कारण टोकने की कोशिश की।

एयर इंडिया के अधिकारी को 30-सी सीट आवंटित थी, लेकिन वहां अन्य यात्री थे इसलिए उन्होंने

सीट बदलने का निर्णय लिया। इसके बाद उन्हें 25 एबीसी सीट दी गई। सूत्र ने आरोप लगाया कि एयर इंडिया के अधिकारी ने अपने सहयात्री को उसकी ऊंची आवाज को लेकर टोकना शुरू किया। लेकिन उनके बगले में बैठे यात्री ने उन्हें थप्पड़ मार दिया और उनका सिर मरोडक़र उनके साथ गाली-गलौज की।

एयर इंडिया के एक प्रवक्ता ने अपने बयान में कहा, 9 जुलाई, 2023 को सिडनी-दिल्ली उड़ान भरने वाले विमान एआई-301 पर एक यात्री ने मौखिक और लिखित चेतावनियों के बावजूद उड़ान के दौरान अस्वीकार्य तरीके से व्यवहार किया, जिससे अन्य यात्रियों को परेशानी हुई जिनमें हमारा एक कर्मचारी भी शामिल है।

फ्लाइट के दिल्ली में सुरक्षित उतरने पर यात्री को सुरक्षा एजेंसी को सौंप दिया गया। उन्होंने बाद में उसे यात्री का लिखा एक माफीनामा जारी किया। जैसा कि प्रवक्ता ने बताया, घटना की विधिवत सूचना छ्त्रष्ट्र (नागरिक उड्डयन महानिदेशालय) को दी गई। प्रवक्ता ने दुर्व्यवहार के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने की एयर इंडिया की प्रतिबद्धता पर भी जोर दिया और कहा कि वे इस मामले को कानून की पूरी सीमा तक उठाएंगे।

यह घटना टोरंटो से उड़ान भरने के बाद एयर इंडिया की उड़ान ए-188 के अंदर केबिन क्रू सदस्य के साथ दुर्व्यवहार करने और शौचालय का दरवाजा तोडऩे के आरोप में नेपाल के एक नागरिक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज किए जाने के कुछ दिनों बाद हुई है। शिकायतकर्ता केबिन क्रू सदस्य आदित्य कुमार ने कहा कि नेपाल निवासी यात्री महेश सिंह पांडी ने अपनी सीट 26 ई से 26 एफ में बदल ली और उन्होंने इकोनॉमी क्लास क्रू को गाली देना शुरू कर दिया।

कुमार ने लिखवाया है, हमने पीआईसी को सूचित किया और उसे मौखिक चेतावनी दी, लेकिन दोपहर के भोजन की सेवा के बाद हमें 5ए-आईआर में शौचालय (एलएवी) धूम्रपान अलार्म मिला, इसलिए हमने एलएवी दरवाजा खोला और वह सिगरेट लाइटर के साथ पकड़ा गया और धूम्रपान की गंध आ रही थी।

कांवड़ यात्रा के दौरान बड़ा हादसा... डीजे के हाइटेंशन लाइन की चपेट में आने से 6 लोगों की मौत, कई झुलसे

मेरठ (आरएनएस)। मेरठ जिले के देहात क्षेत्र में कांवड़ के बिजली के हाई वोल्टेज करंट की चपेट में आने से 6 शिव भक्तों की झुलस कर मौत हो गई जबकि 18 से ज्यादा गंभीर रूप से घायल हो गए जिनमें छह से ज्यादा की हालत अति गंभीर बनी हुई है। थाना भावनपुर क्षेत्र के राली चौहान में रहने वाले संजू और प्रदीप अपने लगभग 30 साथियों के साथ शनिवार रात ट्रैक्टर ट्रॉली में साउंड सिस्टम लगाकर डाक कांवड़ लेकर आए थे। हरिद्वार से वापस आकर उन्होने कांवड़ एक फार्म हाऊस में खड़ी कर दी और लगभग 20 फुट का डीजे ट्रैक्टर ट्रॉली से गांव में ला रहे थे।

डीजे पर थिरकते कांवडियों को देखने के लिए गांव के लोग भी सडक़ों पर आ गए। टीम के कुछ कांवडिय़े तेज कदम से आगे निकल गए और कुछ पीछे डीजे के साथ थे। गांव के बच्चे भी डीजे की ट्राली पर बैठ गए।

जब डीजे कांवड़ किला मार्ग से राली चौहान गांव की तरफ मुड़ी तो साउंड सिस्टम की ट्रॉली हाइटेंशन लाइन की चपेट में आ गई और उसमें करंट दौड़ गया। 18 कांवडिय़े गंभीर रूप से झुलसे थे, जिसमें से अधिकारिक तौर पर 6 की मौत हुई है।

हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने किसी तरह घायलों को ट्रॉली से अलग किया। घायलों को तुरंत अस्पताल भेजा गया। इनमें से दो भाईयों हिमांशु और प्रशांत और उनके चाचा है। मृतक दोनों भाईयों का एक भाई विशाल झुलसा हुआ है।

हादसे की सूचना गांल में फैलते ही आक्रोशित ग्रामीणों ने जाम लगाकर हंगामा शुरू कर दिया। हंगामे की सूचना पर तमाम अधिकारी फोर्स के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। ग्रामीणों ने हादसे का आरोप बिजली विभाग पर लगाया है। मृतक परिजनों का कहना है कि बिजली घर को सूचित किया गया था कि बिजली के लटके तार ऊंची कांवड़ से तार टकरा रहे है।

शनिवार रात्रि में 8.15 के आसपास डीजे की ऊंचे कोलन हाईटेंशन तार की चपेट में आ गई, ट्रैक्टर- ट्राली में पीछे की तरफ लोहे के एंगल लगे हुए थे, जिनमें करंट उतर आया। हादसा होते ही स्थानीय लोगों ने बिजली शटडाउन करने के लिए स्थानीय बिजली घर पर फोन किया गया। काफी देर बाद फोन उठा, जब उठा तो जबाव मिला कि शटडाउन कर दिया है, लेकिन तब तक 5 शिवभक्त नींद की आगोश में जा चुके थे। वहीं समय से एंबुलेंस भी उपलब्ध नही हो पाई, जिसके चलते एक-डेढ घंटा निकल और पांच लोगों की उस समय तक मौत हो गई।

मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। एक परिवार के दो भाई हिमांशु और प्रशांत की हादसे में मौत हो गई है, जबकि तीसरे भाई विशाल की हालत गंभीर बनी हुई है। सुरेंद्र अपने दो बच्चों को खो चुका है, वह रोते हुए कहता है कि शिव का पुजारी हूं, रोज पूजा करता था, भगवान ने यह क्या अनर्थ कर दिया।

घटना की जानकारी मिलते ही मेरठ कमीश्नर जे सेल्वा कुमारी, पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम की एमडी चैत्रा वी, आई जी मेरठ रेंज नचिकेता, डीएम दीपक मीणा, स्स्क्क रोहित सजवाण ,समेत तमाम अधिकारी मौके पर पहुंचे। लोगों को शांत करवाते हुए घायलों को उचित उपचार का आश्वासन दिया।

हालत बिगड़ने पर बीजेपी सांसद प्रवीण निषाद को एयरलिफ्ट कर एम्स दिल्ली ले जाया गया

लखनऊ (आरएनएस)। संत कबीर नगर से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद प्रवीण निषाद की तबीयत बिगडऩे के बाद उन्हें एयरलिफ्ट करके एम्स दिल्ली ले जाया गया है।

निषाद पार्टी के प्रमुख और यूपी के मंत्री संजय निषाद के बेटे प्रवीण को पेट दर्द की शिकायत के बाद शुक्रवार रात गोरखपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

गोरखपुर में स्थानीय भाजपा नेताओं के अनुसार, 34 वर्षीय प्रवीण की हालत बिगडऩे पर शनिवार शाम को उन्हें गोरखपुर हवाई अड्डे से एम्स नई दिल्ली ले जाया गया।

डॉक्टरों के मुताबिक, सांसद पैंक्रियाटाइटिस (अग्न्याशय में सूजन) से पीड़ित हैं। उन्हें पहले भी इसी तरह की परेशानियों के कारण लखनऊ के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

सांसद के प्रतिनिधि राजीव निषाद ने बताया कि प्रवीण की हालत स्थिर है और उनका इलाज चल रहा है. प्रवीण ने 2018 के उपचुनाव में सपा के टिकट पर गोरखपुर लोकसभा सीट जीतकर प्रसिद्धि हासिल की थी। 2019 में, वह भाजपा में चले गए और पड़ोसी सीट से चुनाव लड़ा।

किसानों और शिल्पियों की समृद्धि का जरिया बन रहा बांस

लखनऊ (आरएनएस)। अब किसानों और शिल्पियों की समृद्धि का जरिया बांस बन रहा है। इसकी खेती बढ़ाने के साथ किसानों और शिल्पियों को इससे जोडऩे को कॉमन फैसिलिटी सेंटर भी खुल रहे हैं। यूपी सरकार ने इस दिशा में कदम बढ़ाते हुए बांस के उत्पादों की विस्तृत चेन और बाजार बनाए जाने की योजना पर काम भी शुरू कर दिया है। बांस उपचार संयंत्र लगाने के काम भी शुरू हो चुके हैं। इसमें नेशनल बैम्बू मिशन काफी मददगार साबित हो रहा है।

राष्ट्रीय बांस मिशन एक बहुद्देश्यीय योजना है। इसे बांस की नई किस्मों को विकसित करने, अनुसंधान को प्रोत्साहन करने, हाईटेक नर्सरी लगाने, पौधों में कीट एवं बीमारी प्रबंधन, बांस से जुड़ी हस्तकला को बढ़ावा देने, बांस उत्पादकों की आय बढ़ाने, बांस उत्पादों के लिए विपणन नेटवर्क विकसित करने तथा कारीगरों को कच्चा माल उपलब्ध कराने के लिए शुरू किया गया है।

अभी यह योजना बुंदेलखण्ड और विंध्याचल क्षेत्र सहित 32 जिलों (38 वन प्रभाग) और बिजनौर सामाजिक वानिकी, नजीबाबाद (बिजनौर), सहारनपुर सामाजिक वानिकी, शिवालिक (सहारनपुर), मुजफ्फरनगर, रामपुर, बरेली, शाहजहांपुर, सीतापुर, पीलीभीत सामाजिक वानिकी, पीलीभीत टाइगर रिजर्व, उत्तर खीरी, दक्षिण खीरी, बहराइच, बाराबंकी, रायबरेली, सुल्तानपुर, प्रयागराज, प्रतापगढ़, फतेहपुर, काशी वन्यजीव (चन्दौली), जौनपुर, वाराणसी, आजमगढ़, गोरखपुर, सोहागीबरवा वन्यजीव (महराजगंज), बलिया, ललितपुर, महोबा, हमीरपुर, बाँदा, झाँसी, उरई (जालौन), चित्रकूट, मिर्जापुर, सोनभद्र, ओबरा तथा रेनूकूट में लागू की जा रही है।

इस योजना के तहत प्रदेश में मुख्य रूप से बैम्बूसा बाल्कोआ, बैम्बूसा न्यूटन्स, बैम्बूसा बैम्बोस, डैन्ड्रोक्लेमस हैमिल्टोनी और डैन्ड्रोक्लेमस जाइजेन्टियस जैसी प्रजातियों को उगाने और लगाने के कार्य कराये जा रहे हैं। सरकार इस योजना के तहत राजकीय भूमि और निजी कृषक भूमि में बांस पौधशाला लगाने, सामान्य सुविधा केंद्र (सीएफसी), बांस का बाजार, बांस उपचार संयंत्र और वृक्षारोपण के साथ सहायक कार्यों पर आर्थिक सहायता भी दे रही है। निजी कृषकों, निजी संस्थाओं द्वारा किए जाने वाले कार्यों के लिए निर्धारित मानकों के सापेक्ष 50 प्रतिशत प्रोत्साहन भी धनराशि दी जा रही है।

राष्ट्रीय बांस मिशन योजना के प्रशिक्षण और जागरूकता के लिए पांच जिलों जैसे सहारनपुर, बरेली, झाँसी, मिर्जापुर तथा गोरखपुर में सामान्य सुविधा केंद्रों (कॉमन फेसिलिटी सेंटर -सीएफसी) की स्थापना की गई है। इनमें प्रशिक्षण कार्यों के लिए क्रॉस कट, बाहरी गांठ हटाने, रेडियल स्प्लिटर, स्लाइसर, सिलवरिंग, स्टिक मेकिंग और स्टिक साइजिंग इत्यादि जैसी मशीनों को स्थापित किया गया है।

ये केंद्र बांस कारीगरों के समूहों, स्वयं सहायता समूहों, कृषक उत्पाद संगठनों या वन विभाग की संयुक्त वन प्रबंधन समिति की स्थानीय इकाइयों द्वारा संचालित किये जाएंगे। इनमें क्षेत्र के कृषकों, कारीगरों, उद्यमियों को प्रशिक्षण और रोजगार सृजन के अवसर प्राप्त हो सकेंगे।

नेशनल बंबू मिशन के डायरेक्टर के. एलंगगो ने बताया कि लचीलेपन और टिकाऊपन में बेजोड़ बहुपयोगी बांस को बढ़ावा देने पर सरकार का खासा जोर है। बांस की खेती को बढ़ावा देने के लिए सरकार कई स्तर पर काम कर रही है। किसानों को जागरूक किया जा रहा है। पर्यावरण को ठीक रखने में यह काफी सहायक है। बांस नदी की कटान रोकने में काफी महत्वपूर्ण हो सकता है।